2018 में, भारत ने...

...मिनामाता कन्वेंशन का अनुसमर्थन किया और उत्पादों और प्रक्रियाओं में पारा-मुक्त विकल्प अपनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की

समझौते के कुछ प्रमुख प्रावधान

- पारा-युक्त डेंटल फिलिंग्स के खपत में कमी लाना
- संवेदनशील आबादी, बच्चों और गर्भवती महिलाओं में इसके इस्तेमाल पर रोक लगाना

“ *पारा उन शीर्ष दस रसायनों में शामिल है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है।*

-विश्व स्वास्थ्य संगठन

Toxics Link
for a toxics-free world

दातों का पारा–मुक्त इलाज

टॉक्सिक्स लिंक दिल्ली में स्थित एक गैर-सरकारी संगठन है जो स्वास्थ्य, पर्यावरण और जलवायु से जुड़े मुद्दों पर कार्यरत है तथा सतत विकास को प्रोत्साहन देता है।

और जानकारी के लिए:
www.toxicslink.org

संपर्क करें:
comm@toxicslink.org

पारा हानिकारक पदार्थ है!

पारे से दूरी बनाएं

स्वस्थ और सुन्दर मुस्कान अपनाएं!

Toxics Link
for a toxics-free world

मरकरी (पारा) अमलगम (मिश्रण) क्या होता है?

अमलगम हमारे दांतों में हुए छिद्र को भरने के लिए उपयोग किया जाता है; यह जहरीला पारा (५०%), चांदी और अन्य धातुओं का मिश्रण है।

- पारा हमारे शरीर के कई अंगों (मस्तिष्क और गुर्दा) को नुकसान पहुँचा सकता है।
- शरीर में कंपन, थकान के साथ साथ हमारे सोचने-समझने की शक्ति को भी कमज़ोर कर सकता है।
- गर्भवती महिलाएं और बच्चों के लिए पारा अत्यधिक हानिकारक है।

पारे को छोड़ें और एक सुरक्षित विकल्प अपनाएं

क्यों?

क्योंकि उनमें जहर नहीं होता, दांतों जैसा ही रंग होता है, देखने में सुंदर और मनभावन होते हैं। अत: अपनी मुस्कान ऐसी बनाए रखें, जो प्राकृतिक, सुंदर और आत्मविश्वास से भरी दिखवाई दे।

इन विकल्पों से चुनें:

- कम्पोजिट रेज़िन फिलिंग
- ग्लास आयनोमर फिलिंग
- सिरेमिक फिलिंग

आपको क्या करना चाहिए

- अपने दांतों के डॉक्टर से पारा-मुक्त भराई की मांग करें
- दाँतों के रंग जैसे दिखने वाले मिश्रण से भराव कराएं
- पारा मिले पदार्थों के ख़तरों के बारे में दूसरों को भी बताएं

पारा-युक्त पदार्थ अस्वीकार करके आप अपने स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा कर रहे हैं।

पारा मिट्टी और जलाशयों को दूषित करता है, तथा हमारे भोजन में शामिल मछलियों को जहरीला बना देता है।